भारत सरकार
रेल मंत्रालय

लोक सभा
07.08.2024 के
अतारांकित प्रश्न सं. 2565 का उत्तर

वरिष्ठ नागरिकों और पत्रकारों के लिए रेल यात्रा रियायत

2565. श्री कौशलेन्द्र कुमार:
श्री अभय कुमार सिन्हा:

क्या रेल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या सरकार का कोरोना से पहले की अवधि के दौरान वरिष्ठ नागरिकों और मान्यता प्राप्त पत्रकारों को दी जाने वाली रेलगाड़ियों के ठहराव और प्रदत्त छूट को बहाल करने का विचार है;
(ख) क्या सरकार का कोरोना काल के पश्चात् शुरू की गई रेलगाड़ियों के बढ़े हुए किराए को घटाकर पूर्व कोविड स्तर पर लाने का विचार है;
(ग) बिहार राज्य में पिछले दस वर्षों के दौरान किए गए विभिन्न सर्वेक्षणों और शुरू की गई सभी रेल परियोजनाओं की वर्तमान स्थिति का ब्यौरा क्या है; और
(घ) सरकार द्वारा वरिष्ठ नागरिकों और मान्यता प्राप्त पत्रकारों को प्रदत्त रेल यात्रा रियायत सुविधा को बंद करने से अब तक अर्जित राजस्व का ब्यौरा क्या है?

उत्तर

रेल, सूचना और प्रसारण एवं इलेक्ट्रोनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री

(श्री अश्विनी वैष्णव)

(क) से (घ): भारतीय रेल ने वैज्ञानिक तरीके से आईआईटी-मुंबई के सहयोग से अनुरक्षण गलियारा ब्लॉक के सृजन कर बेहतर यात्री संरक्षा उपलब्ध कराने, समय-सारणी में विसंगतियों को न्यूनतम करने के दृष्टिकोण से ठहरावों के यौक्तिकरण सहित समय-सारणी को यौक्तिकरण बनाने का कार्य किया है। इसके अलावा, भारतीय रेल पर रेलगाड़ी सेवाओं का प्रावधान यातायात, औचित्य, परिचालनिक, व्यवहार्यता आदि के अध्यधीन सतत् प्रक्रिया है।

2014-24 और चालू वित्त वर्ष 2024-25 तक के दौरान, बिहार राज्य में पूर्णतः/अंशतः पड़ने वाली, कुल 3277 किलोमीटर लंबाई की 41 परियोजनाओं (23 नई लाइन, 18 दोहरीकरण) का सर्वेक्षण कार्य पूर्ण हो गया है। इसी अवधि के दौरान बिहार राज्य में पूर्णतः/अंशतः पड़ने वाली, 28000 करोड़ रुपए की अनुमानित लागत वाली कुल 1455 किलोमीटर लंबाई की 25 परियोजनाओं (02 नई लाइन, 23 दोहरीकरण) को स्वीकृत कर दिया गया है।

भारतीय रेल समाज के सभी वर्गों को किफायती सेवाएँ प्रदान करने का प्रयास करती है और 2022-23 में यात्री टिकटों पर 56,993 करोड़ रुपए की रियायत दी गई। यह रेल में यात्रा करने वाले प्रत्येक व्यक्ति को औसतन 46% की रियायत देता है। यह सब्सिडी सभी यात्रियों के लिए जारी है। इसके अलावा, इस सब्सिडी राशि से परे रियायतें कई कोटियों जैसे विकलांग व्यक्तियों (दिव्यांगजन) की 4 कोटियों, रोगियों की 11 कोटियों और छात्रों की 8 कोटियों के लिए जारी हैं।

******